जल संवर्धन के लिए बनाई योजना

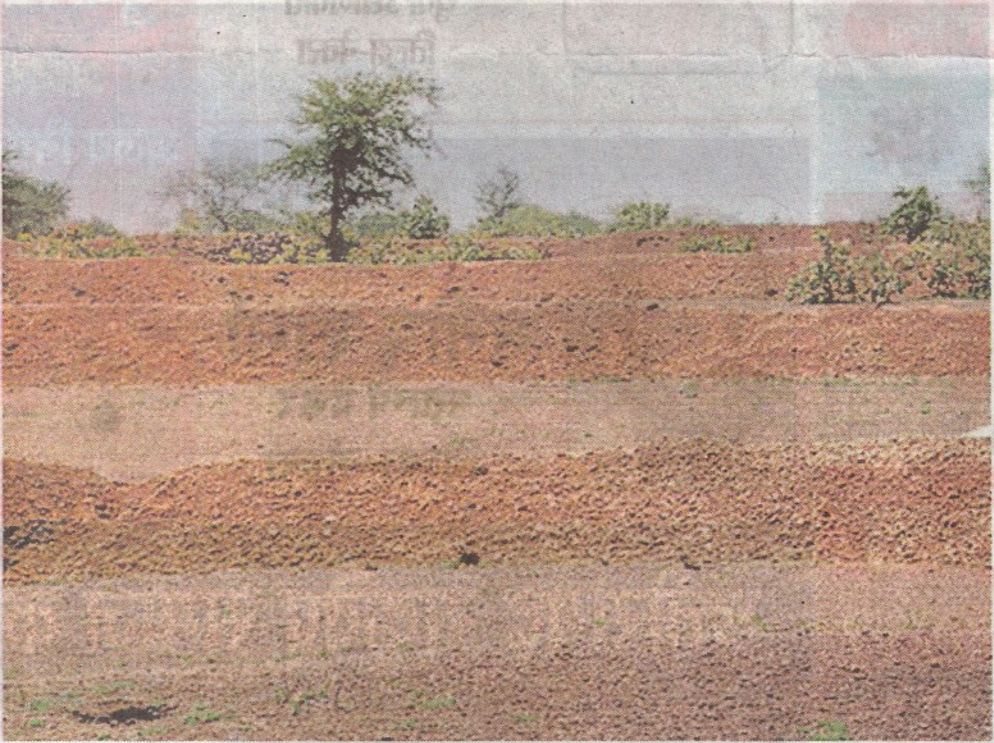

तिल्दा-नेवरा.जल संरक्षण के लिए अल्ट्राटेक सीमेंट संयंत्र ने तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत नालियों में बोरवेल वाटर रिचार्ज शाफ्ट लगाए जाएंगे।

तिल्दा-नेवरा | जल है तो जीवन है, पानी की चिंता आज हर कोई कर रहा है। अल्ट्राटेक हिरमी सीमेंट संयंत्र ने अपनी स्थापना के साथ ही ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से जल संरक्षण और संवर्धन को गति देने पहल की है। संयंत्र ने निकटवर्ती क्षेत्रों में फालतू जल बह जाने वाले पानी को सीधे जमीन के नीचे उतारने के कार्य को वैज्ञानिक ढंग से संपादित करने यूनिट हेड एस कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया है। साथ ही एफ्रो (एक्शन फार फूड प्रोडक्शन) राष्ट्रीय स्तर की एनजीओ से वृहद अध्ययन और तकनीकी सहयोग से चरणबद्ध योजना बनाई है। एफ्रो की अनुशंसा पर एक त्रिवर्षीय महत्वाकांक्षी योजनांतर्गत जल संग्रहण क्षेत्र के 20 हजार रनिंग मीटर कंटूर बंडिंग कार्य को पूरा कर वर्षा के जल को संरक्षित किया जाएगा। नालियों में 154 बोरवेल वाटर रिचार्ज शाफ्ट का निर्माण कर वर्षा के जल का भूमि में सीधे पुनर्भरण किया जा रहा है। साथ ही बड़ भवनों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग तकनीक को स्थापित किया गया है। वर्तमान में निकटवर्ती ग्रामों के 14 तालाबों में 19 बोर गहरीकरण कार्य कर तालाबों में जल संरक्षण क्षमता बढ़ाया जा रहा है। तालाबों में पानी की निकासी को नियंत्रित करने के लिए हेड रेगुलेटर का निर्माण किया जा रहा है। अल्ट्राटेक हिरमी संयंत्र सामाजिक उत्तरदायित्व को निभाते हुए छह स्टापडैम का निर्माण और 13 स्टापडैम बनाने में ग्रामीणों को सामग्री का सहयोग प्रदान किया, जिससे भूमिगत जलस्तर को बढ़ावा मिला है। संयंत्र क्षेत्रों के गांवों में जल संरक्षण के महत्व के प्रति और अधिक संवेदनशील और जागरूक बनाने के लिए मैगसेसे अवार्ड प्राप्त राजेंद्र सिंह के कार्यक्षेत्र अलवर और कुरूक्षेत्र में गांव के प्रमुख व्यक्तियों के दल का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया है। ग्रामीण स्तर पर वाटर शेड मैनेजमेंट पर प्रशिक्षण, जागरुकता, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनी, फिल्म शो का आयोजन किया गया है। इन सभी कार्यों को करने के लिए स्थानीय जनसमुदाय, स्व सहायता समूह, पंचायतों का सहयोग रहा है। भविष्य में संयंत्र अपने निकटवर्ती गांवों में एफ्रो के जल संरक्षण संबंधी अध्ययन के आधार पर कार्य योजना बनाकर जल संवर्धन कार्यों को और अधिक बढ़ावा देगी।